सेवक खाटूवाले का | by bhishek Agrawal

सेवक और दास का सबका केहना है
एक हज़ारों में मेरा बाबा है
सारी उमर सेवा में रहना है

ये ना जाना दुनिया ने में हु क्यू उदास
मेरी प्यारी आँखियो को तेरी ही तो आस
सुनले सांवरे केह जो केहना है
एक हज़ारों में.....

जब तक ना पहुँचा था तेरे दर हुज़ूर
तब तक मेरे जीवन में था ग़म का सुरुर
अब जो मिला है तू मन में चैना है
एक हज़ारों में .....

बाबा देख में तो तेरे चौखट की धूल
में ना भूलूँ तुमको मुझे भी तू ना भूल
सुख की है चाह तो दु:ख भी सहना है
एक हज़ारो में .....

तेरे प्रेमी दु:ख से कभी डरते नहीं है
तख़लीफ़ो से बच के गुज़रते नहीं है
सेवक का तेरे बस इतना कहना है
एक हज़ारों में .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b8%e0%a5%87%e0%a4%b5%e0%a4%95-%e0%a4%96%e0%a4%be%e0%a4%9f%e0%a5%82%e0%a4%b5%e0%a4%be%e0%a4%b2%e0%a5%87-%e0%a4%95%e0%a4%be-by-bhishek-agrawal/